



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-21102022-239817
CG-DL-E-21102022-239817

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 700]
No. 700]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अक्टूबर 21, 2022/आश्विन 29, 1944
NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 21, 2022/ASVINA 29, 1944

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर, 2022

सं. 4/2022- सीमा शुल्क (सीवीडी)

सा.का.नि. 787(अ).—जहां कि चीन जनवादी गणराज्य में मूलतः उत्पादित या वहां से निर्यातित और भारत में आयातित “सक्करीन, अपने सभी रूपों में” जो कि सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) (एतश्मिन पश्चात जिसे उक्त सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम से संदर्भित किया गया है) की प्रथम अनुसूची के टैरिफ मद 2925 11 00 के अंतर्गत आता है, के मामले में विनिर्दिष्ट प्राधिकारी अधिसूचना संख्या 6/18/2018-डीजीएडी, दिनांक 19 जून, 2019, के तहत भारत के राजपत्र, असाधारण, के भाग I, खंड 1 में प्रकाशित अपने अंतिम निष्कर्षों में इस निर्णय पर पहुंचे हैं कि चीन जनवादी गणराज्य से भारत को किए गए सक्करीन का निर्यात सब्सिडाइज्ड मूल्य पर किया गया था जिसके कारण यहां के घरेलू उद्योग को सारवान क्षति हुई है;

और जहां कि विनिर्दिष्ट प्राधिकारी के उपर्युक्त निष्कर्षों के आधार पर केंद्र सरकार ने भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) अधिसूचना संख्या 2/2019-सीमाशुल्क (सीवीडी), दिनांक 30 अगस्त, 2019, जिसे सा.का.नि. 610(अ), दिनांक 30 अगस्त, 2019 के तहत भारत के राजपत्र, असाधारण, के भाग II, खंड 3, उप-खंड (i) में प्रकाशित किया गया था, के द्वारा काउंटरवेलिंग ड्यूटी लगाया था ;

और जहां कि विनिर्दिष्ट प्राधिकारी ने अपनी प्रारंभिकीकरण अधिसूचना संख्या 07/05/2022-डीजीटीआर, दिनांक 17 मार्च, 2022, जिसे दिनांक 17 मार्च, 2022 को भारत के राजपत्र असाधारण के भाग I, खंड 1 में प्रकाशित

किया था, के तहत उपर्युक्त काउंटरवेलिंग ड्यूटी के सर्कमवेंशन के मामले में और इसके परिणामस्वरूप थाईलैंड (एतश्मिन पश्चात जिसे विषयगत देश से संदर्भित किया गया है) में मूलतः उत्पादित या वहां से निर्यातित और भारत में आयातित 'सक्करीन, अपने सभी रूपों में' (एतश्मिन पश्चात जिसे विषयगत वस्तु से संदर्भित किया गया है), जो कि उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की प्रथम अनुसूची के टैरिफ शीर्षक 2925 11 00 के अंतर्गत आता है, के आयात पर भी इस काउंटरवेलिंग ड्यूटी को लगाए जाने की आवश्यकता के बारे में जांच कार्य शुरू किया था;

और, जहां कि विनिर्दिष्ट प्राधिकारी अधिसूचना संख्या 07/05/2022-डीजीटीआर, दिनांक 26 जुलाई, 2022 के तहत भारत के राजपत्र, असाधारण, के भाग I, खंड 1 में प्रकाशित अपने अंतिम निष्कर्षों में इस निर्णय पर पहुंचे हैं कि -

- (i) विषयगत देश से होने वाले विषयगत वस्तु के व्यापार के प्रतिमान में परिवर्तन आ गया है;
- (ii) विषयगत देश से विषयगत वस्तु का आयात इसके बहुत ही सस्ते मूल्य पर हो रहा है;
- (iii) विषयगत देश से होने वाले विषयगत वस्तु के ऐसे आयात से चीन जनवादी गणराज्य में मूलतः उत्पादित या वहां से निर्यातित विषयगत वस्तु के आयात पर लगाई जा रही वर्तमान काउंटरवेलिंग ड्यूटी के प्रयास का उपचारात्मक प्रभाव कम हो गया है;

और जहां कि उन्होंने चीन जनवादी गणराज्य में मूलतः उत्पादित या वहां से निर्यातित "सक्करीन, अपने सभी रूपों में" के आयात पर भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) अधिसूचना संख्या 2/2019-सीमाशुल्क (सीवीडी), दिनांक 30 अगस्त, 2019, जिसे सा.का.नि. 610(अ), दिनांक 30 अगस्त, 2019 के तहत भारत के राजपत्र, असाधारण, के भाग II, खंड 3, उप-खंड (i) में प्रकाशित किया गया था, के द्वारा लगाए गए वर्तमान काउंटरवेलिंग ड्यूटी को अब विषयगत देश में मूलतः उत्पादित या वहां से निर्यातित, विषयगत वस्तु पर भी लगाए जाने की सिफारिश की है;

अतः अब सीमा शुल्क टैरिफ (आर्थिक सहायता प्राप्त वस्तुओं की पहचान, उनका आंकलन और उन पर काउंटरवेलिंग ड्यूटी का संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 के नियम 20, 22, 25, 26 और 27 के साथ पठित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9 की उप धारा (1), (1क) और (6) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना संख्या 3/2022-सीमाशुल्क (सीवीडी), दिनांक 2 जून, 2022 जिसे सा.का.नि. 414(अ), दिनांक 02 जून, 2022 के तहत भारत के राजपत्र, असाधारण, के भाग II, खंड 3, उप-खंड (i) में प्रकाशित किया गया था, का अधिक्रमण करते हुए, ऐसे अधिक्रमण से पूर्व की गई अथवा करने से लोप की गई बातों को छोड़ते हुए, केन्द्र सरकार, विनिर्दिष्ट प्राधिकारी के उपर्युक्त अंतिम निष्कर्षों पर विचार करने के पश्चात, एतद्वारा, उक्त विषयगत वस्तु जिसका विवरण नीचे दी गई सारणी के कॉलम (3) में विनिर्दिष्ट है, जो कि उक्त सारणी के कॉलम (2) की तत्संबंधी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की प्रथम अनुसूची के टैरिफ मद के अंतर्गत आती हैं, कॉलम (4) की तत्संबंधी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट देशों में मूलतः उत्पादित है या वहां से निर्यातित है, कॉलम (5) की तत्संबंधी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट उत्पादकों से उत्पादित है और भारत में आयातित है, पर कॉलम (6) की तत्संबंधी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट राशि के बराबर 'काउंटरवेलिंग ड्यूटी' लगाती है, यथा -

सारणी

क्र.सं.	टैरिफ मद	वस्तु का विवरण	मूलतः उत्पादक/निर्यातक देश	उत्पादक	शुल्क की राशि, सीआईएफ मूल्य के % के रूप में
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	292500 11	सक्करीन, अपने सभी रूपों में	थाईलैंड	कोई भी	20

2. इस अधिसूचना के अंतर्गत लगाई गई 'काउंटरवेलिंग ड्यूटी' अपनी प्रारंभिकीकरण अधिसूचना संख्या 07/05/2022-डीजीटीआर, दिनांक 17 मार्च, 2022, जिसे दिनांक 17 मार्च, 2022, को भारत के राजपत्र, असाधारण के भाग I, खंड 1 में प्रकाशित किया गया था, के तहत उक्त विनिर्दिष्ट प्राधिकारी के द्वारा एंटीसर्कमवेंशन जांच के शुरू किए जाने की तारीख से लागू होगी और अधिसूचना संख्या 2/2019-सीमाशुल्क (सीवीडी), दिनांक 30 अगस्त, 2019, सा.का.नि. 610(अ), दिनांक 30 अगस्त, 2019 के तहत 'सक्करीन, अपने सभी रूपों में', पर लगाए जाने वाले काउंटरवेलिंग ड्यूटी के

सहअवसानिक (यदि इससे पहले इसे वापस नहीं लिया जाता है, इसका अधिक्रमण नहीं होता है, या इसमें संशोधन नहीं होता है तो) होगी और इस काउंटरवेलिंग ड्यूटी का भुगतान भारतीय मुद्रा में करना होगा।

स्पष्टीकरण - इस अधिसूचना के उद्देश्य के लिए 'काउंटरवेलिंग ड्यूटी' की गणना के प्रयोजन हेतु लागू विनिमय दर वही दर होगी जो कि भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना, जिसे सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 14 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए समय-समय पर जारी किया गया हो, में विनिर्दिष्ट की गई होगी और इस विनिमय दर के निर्धारण की प्रासंगिक तारीख वह तारीख होगी जो कि उक्त सीमाशुल्क अधिनियम की धारा 46 के अंतर्गत आगम पत्र में प्रदर्शित होगी।

[फा. सं. सीबीआईसी-190354/112/2022-टीआरयू]

नितिश कर्नाटक, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st October, 2022

No. 4/2022-Customs (CVD)

G.S.R. 787(E).—Whereas, in the matter of 'Saccharin in all its forms' falling under tariff item 2925 11 00 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) (hereinafter referred to as the Customs Tariff Act), originating in or exported from China PR and imported into India, the designated authority in its final findings, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, *vide* notification No. 6/18/2018-DGAD, dated the 19th June, 2019, had come to the conclusion that the Saccharin exported to India from China PR at subsidised value, thus, resulting in material injury to the domestic industry;

And, whereas, on the basis of the aforesaid findings of the designated authority, the Central Government had imposed a countervailing duty on the Saccharin, *vide* notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 2/2019-Customs (CVD), dated the 30th August, 2019, published, *vide* number G.S.R. 610(E), in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), dated the 30th August, 2019;

And, whereas, the designated authority, *vide* its initiation notification No. 07/05/2022-DGTR, dated the 17th March, 2022, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 17th March, 2022, had initiated an investigation in the matter of circumvention of the aforesaid countervailing duty and consequent need to extend such a countervailing duty on imports of 'Saccharin in all its forms' (hereinafter referred to as the 'subject goods') falling under tariff item 2925 11 00 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, originating in, or exported from Thailand (hereinafter referred to as the 'subject country') into India;

And, whereas, the designated authority in its final findings, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, *vide* notification No. 07/05/2022-DGTR, dated the 26th July, 2022, has come to the conclusion that-

- (i) there has been a change in pattern of trade in case of subject goods from the subject country;
- (ii) imports of subject goods from the subject country are entering at dumped prices;
- (iii) the import of subject goods from the subject country has undermined the remedial effect of existing countervailing duty measure on the imports of the subject goods originating in or exported from China PR.

and has recommended imposition of the existing countervailing duty imposed on the imports of 'Saccharin in all its forms', originating in or exported from China PR, *vide* notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 2/2019-Customs (CVD), dated the 30th August, 2019, published, *vide* number G.S.R. 610(E), in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), dated the 30th August, 2019, on the subject goods, originating in or exported from the subject country.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (1), (1A) and (6) of section 9 of the Customs Tariff Act read with rules 20, 22, 25, 26 and 27 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Countervailing Duty on Subsidized Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, and in supersession of the notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 3/2022-Customs (CVD), dated the 2nd June, 2022, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), *vide* number G.S.R. 414 (E) dated the 2nd June, 2022, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government, after considering the aforesaid final findings of the designated authority, hereby imposes on the subject goods, the description of which is specified in column (3) of the Table below, falling under tariff item of the First Schedule to the Customs Tariff Act, specified in the corresponding entry in column (2), originating in or exported from the countries specified in the corresponding entry in column (4), produced by the producers specified in the corresponding entry in column (5) and imported into India, a countervailing duty of an amount as specified in the corresponding entry in column (6) of the said Table, namely:-

TABLE

S. No.	Tariff item	Description of goods	Country of Origin/Export	Producer	Duty amount as % of CIF value
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	2925 11 00	Saccharin in all its forms	Thailand	Any	20

2. The countervailing duty imposed under this notification shall be effective from the date of initiation of the anti-circumvention investigation by the designated authority, *vide* its initiation notification No. 07/05/2022-DGTR, dated the 17th March, 2022, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 17th March, 2022, and will be co-terminus with the countervailing duty on 'Saccharin in all its forms' as levied *vide* notification No. 2/2019-Customs (CVD), dated the 30th August, 2019, published *vide* number G.S.R. 610(E), dated the 30th August, 2019 (unless revoked, superseded or amended earlier), and the countervailing duty shall be paid in Indian currency.

Explanation.- For the purposes of this notification, rate of exchange applicable for the purposes of calculation of such countervailing duty shall be the rate which is specified in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue), issued from time to time, in exercise of the powers conferred by section 14 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), and the relevant date for the determination of the rate of exchange shall be the date of presentation of the bill of entry under section 46 of the said Customs Act.

[F. No. CBIC-190354/112/2022-TRU]

NITISH KARNATAK, Under Secy.